



आशा मन्त्रादि

1.078

ASHA ARCHIVES

ॐ सी श्री गुरु आग्रा तगवति का आग्रा — धार-१ — धर्म नम्र सा नपाचा वल कपाव
जपन पेमी सा क धे के म फल सा दे सक धा के सने म फ धे जो नी स्व प्री अल पुजा भग
वती सा के धा प पाल जव ग सी जो नी स्या के — ॥ ॥ ली का य मंत्र ॥ ॐ भगवती धो
दा हा प्री — ॥ धार-२ — धर्म नम्र अ दे त ज पा व सी सा क ध के दे स क धे के दे व —
नमो सागर सपानी मे श्री जप स ज ती ल दे व न न ली से नु आग्रा — धार-३
धर्म नम्र अ धी बा व धा अ प ज प व क मो का जप —

ॐ नमो गुरु आग्रा ॐ की की सा बु की नी ती स्वाहा — धार-४ —
धर्म नम्र सी ज प स सी क न ज पा व धा स्या क धा स के ज प के व र सी क न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ५ के साया यन दुत जीवने हा स्वाहा - ॥ धार - २
धर्म न मा कल प्रावी न मन मा धो उ न पो न पा न मान वी प्र ह न जा ती भंग
त स त ये का य त कु डे स
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ५ के साया यन दुत जीवने हा स्वाहा - ॥ ११ - ॥ धर्म
त व सी ज प्र ह वा स्वा क प्रा नी क न पु से म न न दु दु ध प ने जी व स्व गु ती मु
सान सा वा ज व ल क सा को ट ॥ ३ ॥ हे वी ण सा य ल का या कु ह का त ॥ ३ ॥
वा ज व ल स बी ये मे की ल व ना प पु ने दु दु ध प ने -

मी सा या प्र ह वा सा मा म का प्र ची मु प के व त ध ने व सी क नु ॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ५ के साया यन दुत जीवने हा स्वाहा - ॥ धार
३ ॥ तु ती स्वा क प्रा पु ने -
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ५ के साया यन दुत जीवने हा स्वाहा - ॥ धार
धार ॥ १ ॥ व स ची क प्रा व सु र व व भा स व य के सर ना स
३ ही ही ही स ॥ धार - ५ ॥ अ दे त ज व ल ५ ज पा न दे स ले ते स पु मो ल जन
हा या के न -

श्रीश्री श्री महाभुतकारचोदेवी रहस्य फलस्वाहा - धार - ५८ ॥ पोम

नगनवनेतनुसाभुमीसंबोधकधीसधोमंत्रवभुमीसतप्रपुपाभुत

प्राप्तप्राभयतदुल्लो ॥ अं अं अं प्रपात्रनी तुजाप्राज्ञापस्वसद्वरवाकीरा

बौसौववैलोपादातीहहहंजीहास्वादा - ॥ पोमत्र देवसाधनमासाध

न -

श्री वाकीदगसासुधी भोगगुरुदरा जाफलस्वाहा - धार -

पोमत्र प्रावभुमीसबोन्नगुधुलकप्रावमंत्रजापलाजावभोगदुवा

पा -

श्री वेदुस्वागा नाके महा लक्ष्मी श्री स्वाहा - धार ॥ ५००८ धमंत्र शानाचद्रा

उपाजपपाडावचोनेप्रजाप्राप्तमतवीप्रदेताप्रात - ५० धुपधनेजुलो

धोकुमेद्राडाकेमई श्री बदरवाचदनमुस्यारुडातामासमाधुवा

धुइकापकासंमभागताप्रावकोथासदकीनगागाधनुस्वाफुसेस

ताप्रादेवप्राभुतप्राप्रेताप्राराधोसप्राद्रकीनीप्रासाकीवाताप्राडादिगा

ॐ ह्रीं सुभ्रपो जेही वज्रपो जे ॐ ह्रीं सहीपो जे ॐ ह्रीं उरुपो जे स्वाहा —

धरु ॥ ॥ आकासनागवप्रा ॥

ॐ नमो गुरु आगवन्धन दोह दोह दोह की सही फल २ जो कोही वन्ध
न करी वन्धन दुती जाव — ॥ ॥ भो मन्त्र कुल जया व दोत के प्रता सी तो न फल
के गु —

ॐ नम वजी सुनु देव सगत वाणी जगत त दोहाई फल स्वहा —

॥ ॥ ॥ भो मन्त्र प्रायस्था कपी न जी सुती का प्रात जी वलाल रगत
प्रा जी वि —

ॐ नम देव सरस्वाती देवेता प्रसरी रह अनव समाना प्रस्वाहा — ॥ ॥

भो मन्त्र आषेला जप वन्दने के आद्या वृद्धा गुनी क प्रसई सुती वागवा
दनी पी मन्त्र गुहा अला म सहे गु गुहा

ॐ ह्रीं की मी आनी दसारी ना ही फल स्वाहा — ॥ ॥ धार ॥ ॥ ॥ भो मन्त्र मी का
स्यवद प्रागु प्रने गु गुहा

ॐ नमो गुरु दनी की मी वध स्वाहा — १॥ धार ॥ १॥ धोम नन चीवन

जपा हाप वधु सुन ची जपा हावन के की मी ना स गुरु

ॐ नमो दा जोना असत जोगीनी धै वी जोगीनी का हा जोगीनी चौ स ची

जोगीनी दा की नी सि दी त — १॥ धार ॥ १॥ धोम नन न क पा वु दु

गु बो पे न त स जपा पा व त ने के अमी ध्यान न न ग हा म दी न पा को

का पे डल

ॐ जोगीनी प्रदा की नी प्रा भ ख न नी दे दे दे फ त स्वाहा — धार — १००८ —

धोम न जपा व धा पु के पु ई का प का त म भा ग ख ध न न पा प्र जोग प्र प्रा ना

हो म पा प्रे मी सा प्रा ना म का का मी स दु च प्री जे प्र डल स भा —

ॐ ही व जे वारा ही की की म ले स्वाहा — १ — मी सा प्रा प्र ग व स स्त लु

चो प्रा व चो प्र ग व त ल की स ला व लो य न क ह त चो प्र ना म त प्र मा त

पु ज्ञा ज त पा व व प्र मा मा ल का न ची ना व पे त स द्या ना व अष त न ही ल

के प्री प्र पा प्र डल स भा —

ॐ नमो मोहनीसर्वमोहनाय कामदेवाय वीरमहैकामवरी नमो लीप्यर
कतलेगुरु आगप — धार — १ — महनीचेगु —

ॐ गुरु आगप चीनु चरु सुजे सादी हं। कतस्वहा — धार — १ — धाम
त्रप्रीतकापेगु —

ॐ नमगुरु आगप सर्क देवी मर्क देवी तुमरा जी भाई तममाले प्रकहामी
मातई गुरु कतस्वहा — धार — १५ धोमत्रन तुडा कपा प्रप तुहरे पाप्र ऊरो
मी गोर कनाप के हो हो पधार ॥ ३ ॥ ची कु दी प्रगर नु मत्र पोडुल —

ॐ र्व र्व र्व हु कतस्वहा — धार — १० धुपी वी वु ती जपलाप वती प्रमेवनधी
पेम कु मत्र ऊरुना —

ॐ भद्र काली मुसान मा जागा उनु वापु उ पाडनु जाग जाग वी रह कतई
कतई उई कतस्वहा — धार — २५ — धोमत्रन जाकी गेल ॥ २५

संडो ले सुनान चीम मफु वादे साधन मत्र उई करी २ प्रका —

ॐ नमो माहाकाली पुर्ज काली सद्य चरा काली देव काली ओ शंखार काली
ईई कतस्वहा — धार — १ — धोमत्र मेव पासा सत्र स्वापेगु डुल —

३ श्रीमतीभरामतीमलुमतीमलुआगेडाईअगीषीलुषीलुपादेजा
ईपादेपेलुपेलुकीचुनाकासर्वथापपेकेपाई-चार-३-थोमन
लिसुका।पाउकोकहाफुकीआगेमाहालीदीनुसत्रभेदनुसत्रदेपाई
नुताइमोह॥चारदामपद

ॐ आकाशात्मिण्यार्याय नमः — चार — १ — ओम् नमो भगवते वासुदेवाय —
 वासुदेवाय नमः — चार — २ — पुनश्चाह रघोः प्रजम् —
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय — चार — ३ — ओम् नमो भगवते वासुदेवाय —

३- श्री श्री गुरु आर्य हा हा ही ही हा आ ही ही ही कृत काल अद्य मुनि - बार
३- यो मंत्र सुनात प्रसारया तसा कथके — — — — —

ॐ नमो महाकालीविजाकालीसिंघपराकालीदेवकालीअद्योत्काली
ॐ कृतस्वाहा-१-॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ हराहारा सयना सप्रसर्व व्याजीना सयना सयना कृतास्तुता-१
धोमत्र व्याजीतिरुपुय पोत वृत्त सा यजुः

ॐ आजीव्योकात्मिमात्ता ईईनाप ईईई कालखास - ५४५

धामस्तमीसापीतकाय

ॐ नमो गुरु आगमा तुम आ क हा म रो दे व - चार - १ धाम व प ता सी के ने
ॐ श्री श्री श्री नाना स्व स्व स्व स्व स्वाहा - चार - १ - धाम न ना त था उ पा से
न क व वी त सा ज रे प्रा य भी न के रु

ॐ वी व रु क नी भ ड मा नी की - चार - १ - धो से त्र धो म व न वा ह स
प दों स म स त ग न व ने क र व म म व स म न यो लो क र म प म न -
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं व सी ध न प ह क ता स्वाहा - चार - २ -

धो म व रा यो ज पा ने के से व न म सु र्धे धा ना त गु ली का य रु म न

ॐ नमो श्री गुरु आगमा भू त ती त पी स त री स र व का ली सी ध जोगी नी हिं

का स्वाहा - १ धाम न जार न स र्व रोग प्रा गु जार न

ॐ नमो नारायण कृ त कृ त व त ह न मे हिं हिं कृ त स्वाहा - चार - १ धाम न

न हा म ज पा व तो न के म था कृ प के से व न धा ना त व गु ली का य रु म न

ॐ श्री गुरु आगमा ह रे मो रे कृ कृ मृ श्री कृ कृ की जे ती प ह क त स्वाहा

चार - १ - धो र म त न की मी दा पा वी व ती प व तो न के रु

ॐ नमो गुरु ३ गण ३ चाजर वहै लेनी बाहर मने की दाही ईस्वर राम
बहु की वा मा - चार - १ - भोम न न द्वा पुजा पो अइला गाले धा भी न
के न म न -

ॐ नमो हर सी भी बा मा क धा क प्रम त ली पा ना की वा तु मा क स भु ने
भु पा ना स - त सी द्वा ल - १ -

ॐ नमो गुरु ३ गण ई ई ई ना भ ना भा ना भ ह ई क ता स्ना हि - चार - १
भो न न न ग व प्र की स ली द्वा स ली ना स दे के द्वा पा व ३ प पा प ३ प पा प

भु न का ती र म घा ता स घा भ त दु ल्द ल उ ग्ग क भा व द्वा त स वो ३ ध
ना प पा प दो ले -

ॐ नम भ ग व ते का ती के सी भी मे ता वी मा म्फा क त ह त्ती न्द ह त
ह त - चार - ५ - ब ल स भ प भू प र धा न प्र म न -

ॐ सी भी गुरु ३ गण ई स्वा री न म ३ ह स स पु पु ३ ह ला प तु ३ र वे रे क तु
ता भा व सी ह म उ स स द ह क त स्ना - चार - ५ - ता भा स प म न
ॐ उ ह वी ज स के ह ई जा न सी भी स ते ह न ती न ते क क का

लीकालं फल स्वाहा - धार - ५० वीमुनलुपशास्त्रे तज्जवपुषा
जोगोनने जवलो ॐ वीरुनुत्र पका प्रदुगा प्राप्नोतेव - - -
ॐ आदीनी भागुरु माता नाथा हवीं नाची - धार - ७ गुसज
नेमालसा नदुप्रापमक प्रके मत्रुतुल - - -
ॐ ककारु ऊं फल ॐ सीजी गनपती हं फल स्वाहा - धार - ५ -
नीगुपीर धाल पामन धाल पपुव वाली सदु प्र पीतना सप्त सनदीत

केवपीवला धा नोका दु प्र ॐ निरुतुल ॐ जी गुतीरु ट चोका सका
ॐ कीसपी सधोनव पीगो ल सप्रप पुनु गुत ॐ जी लो तुतीरि नपाध
गुन धम सीध बवाला प्र पी फल प्रम प्र ३ - - -
ॐ लका ले सहा असि वा चा ह्रीं मी दे ऊमी दे स्वात या जं जं
स्व स ह प्र ह प्रतन म दीत ॐ वी चं स्वाहा - धार - ५८ धो मतन
स्या न मीत्र प्राणा वमी साधु त के व स्या पाप गुल - - -

देही ह्रीं अविस्मृत कृतस्माह — धार — १८ — सीं नृजपपानाती
प्रमीसापानामनती प्रावस्थो अह —

३ वीं नृस्याह — २८ स्नान मंत्र —

३ ह्रीं ह्रीं आपनाथ फ नाप नाना सत नाना वेत्त ममी वसपंत
हं फल स्थाह — धोज पल्लु नानं सचातवी

घट प्राट प्रावस ट प्रात थ थ मसु मक डी थ प्रप कृत — ३ वत्र न व
न वत्र

३ वल कुमारी जाग तडोती अधाना महं फल स्थाह — धार
आप तपे रस पत ३ धा डा व म व प्राप

३ मरी पाया मरी दीवी कमलाती ३ दी दी वहा नी भुत देवी कृत दे
वी पुका है २ ती मी लो ह कुमारी पाही भोग देह ता मेरा सनु त म
ह रारै अन्या वी आई ज नो मेरा सव फली ना ला ह अत्र का १ दीन भी
प्रमा मर पा उ मृ तो कृत अह सी रे आमी मृत क ले अह रत्ना सी मरी आ
ली भा गते आ ड व लो अह सत त त त त त मरी आली आ पे न म न्ने वद

सुखपतालवकरकीवरभीपत १ तगाईमान्याहभातेसस्तिकोतीदंड
तामनाकोहभातीसीलाइलागतामहंउहजीतामुषीवीकुलीवान

फ.तस्माहा — ३ मंत्रअदितकुकीदीनुसत्रमेदक —
नमो गुरु-आपव्युष्टचाराचुहं धुंधांधुंडं धुंधुं फतस्माहा — चार — १ ओम
वोक्सीकुवीतशालषजलपावसोयाहपुंकेवोक्सीवीप्रेजल —
नमो गुरु-आपव्युष्टनउं वडनीहोप २ हातदीपहातलागेपातदीपपातलागे
हनीदीपदावलापोचोरीदीपवदुलागेगाहीदीपवदुलागेधसीदीपपात

लागपश्रीश्रीमाहादेवगोहरीं पारवतीं केवाचाहफतस्माहा — चार — १ ओम
लासाचीं पातकेमीसावसेपापजल

नमो गुरु-आपव्युष्टनउं वडनीहोप २ हातदीपहातलागेपातदीपपातलागे
हनीदीपदावलापोचोरीदीपवदुलागेगाहीदीपवदुलागेधसीदीपपात

नमो गुरु-आपव्युष्टनउं वडनीहोप २ हातदीपहातलागेपातदीपपातलागे
हनीदीपदावलापोचोरीदीपवदुलागेगाहीदीपवदुलागेधसीदीपपात

महाभारत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
साहा - धार - ५ - भे मय मेव न भीष्म मय ज्ञान मय
श्री इ नमो भगवते श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः

गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः



५ कलक नाथ दहरे सता ग्री पथा ग्री हु कल त स्वाहा - १

४ नमनी तेनाथा घनमने हसी हीतुका वल कोर ही ई ही ई के ई ई ई -

पार - १०८ थो मी ननी तेनाथा घा मुत मी नो देव देवो घा के गुत मना घा घा

त थो मी न गुत

४ अ ही श्री ध के क स्वाहा - १०८ - थो मी न म म त म त के गुत

४ हु ह सी स्वाहा - पार - १०८ दी त के गुत ही का प्र तु च ने प्र तु त के दी त के गुत

४ हि मी न न र न र क सर क हुर आमा आमा बत ह तु स्वाहा - पार - १०८ - व ग ना

गान गुत

४ नम सी धी उरु आग डं नम डो गे खरी खर भर हा नार न प्रे स्वाहा - पार

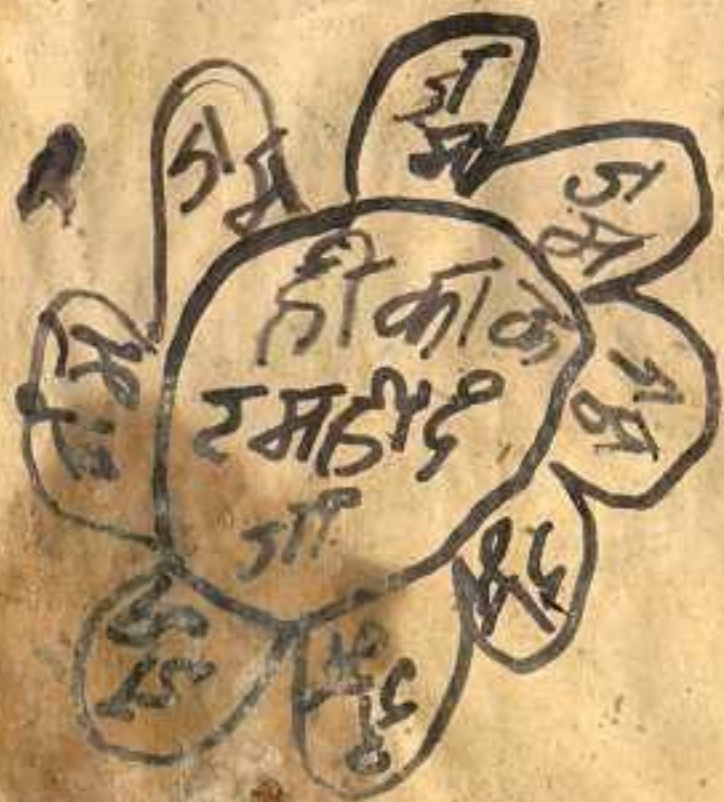
३ - दा फो ल खन - ४ - म द त सा अ द त स्य पु व स व न पा प प व सी र स

दु प्रे म नी क धी वी गुत

३० नम गुरु नागा हुं अ म थ म थ वा दी री प र ल तो दु म च म च र

व स्वाहा - पार - १ - ही थ म नी धा म न गुत

३० रागत वरे रागत नरे सुवातो उवातु लुन वातो जगु सुत भारी
 जीया चमारा द... जीन मारु इत्यर की वाचा इनु मारा
 की वाचा - चार ७ - थामन जोर स वीरो जगु गुरु रन



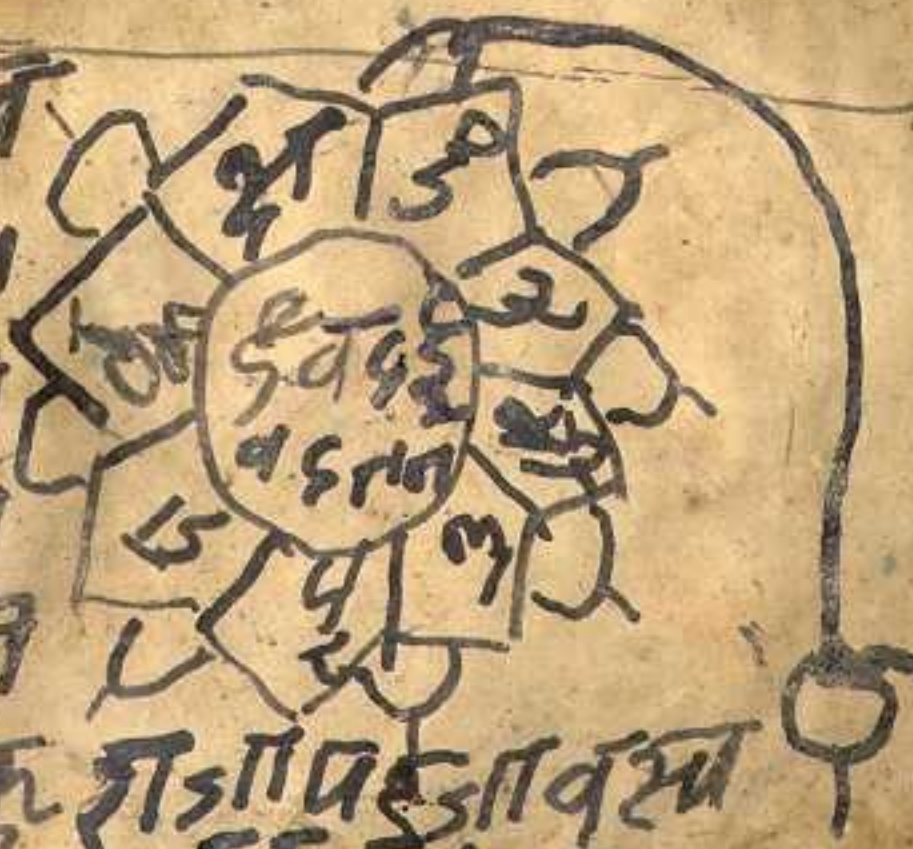
पोजन कुमकु ज्वर चंदन मुजा
 पत्र सौ चो पान को जाये के मुतन
 पुने मफ

पोजन जी ल वंदन कुमकु न मुजा
 न सौ चो पान को जाये मी जिव स्या पाप



पोजन
 सात को
 का पे उ

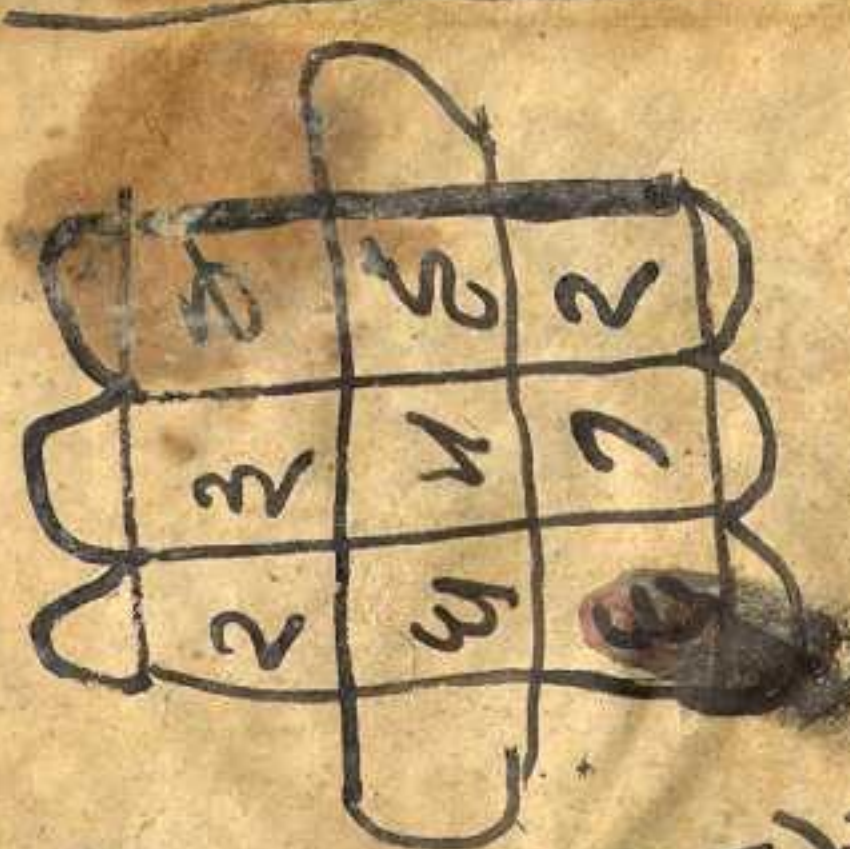
पोजन ज्वर च
 दन कुमकु म
 न मु पत्र स चो
 पीव को जाये
 दा की नी सा की
 नीन जा प म फ
 राजा प ह जा व स
 उ व स स ल



सामेसा। या। दुदुवीयेकेउ



१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९



भाजाने मयाक पेके गु
उहो



भाजाने मयाक पेके गु
मीषास्यक पू
उहो



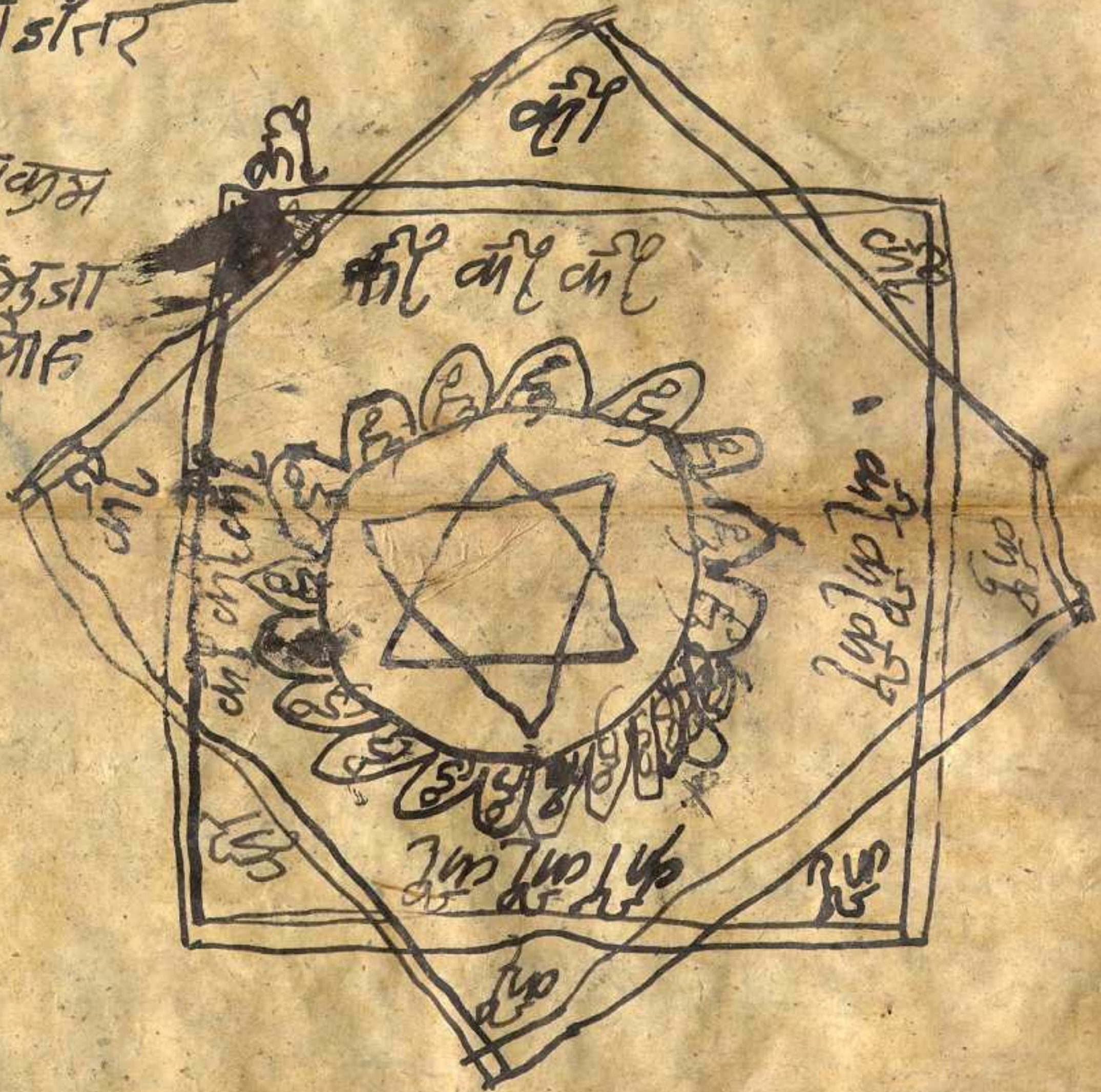
भाजाने मयाक पेके गु
मीषास्यक पू
उहो



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय — चार — ५००८

पन्तरी मो पावको पा
नराजा प्रजा संतर

भो संन कुमकुम
स्वतर्पण भुजा
पदासीने च भो
न सुदुग्ध



ॐ नमः श्री गुरु गणेशाय नमः ॥ नारी प्रापत दत्ताव सने वही नां संप्र - ५ अतीना
रिवल ताव सनीव कलपन सीप के - २ व चीन बीकु पचीन त व प्रपी मुक
ताव सीप के - ३ द्वाव पा नाव लो लो डाप्रा व सने वग र्म धात सीप - ४ न
कन रवा उ से सन व भास प्राव त सीप - ५ वेते बने सका र्म पचीन रव उ स
पम सीप - ६ - का चुरे सने की सी प्रा साप के - ७ नी कु स्यो सनीव अडी
न सीप के - ८ के दु पे सफु सीप - ९ क के तुला वरु व दी नाव स त सागु डनी
प्रा सीप के - १० पचीन नी कु रव बीन जातु र्म धी वगु सीप के - १० का

नाव प्राप त दत्ताव पचीन ने ती व पी त सीप के - ११ नी कु स्य रवा उ पु स
नी प्रा त सीप के - १२ अतीनी कु स्येन व मनु म प्रा दो व सीप के - १३
ना सन पे सन साम भी धा का सीप के - १४ नी री च व व पी व म भी ध
का सीप के - १५ नी कु स्ये ला उ सी ही न सन साम भी न सीप के - १६
ऊ ऊ डी नाव प्राप प्राप म वे से सन साम म पु गुन सीप के - १७ नी कु स्ये ला
सा ती हा न सन साम क सीप के - १८ - पोत नारी प्रावी वा स मा
पत म

ॐ नमो गुरु आग्राहि माहाकुमाल सीधी दाता गहो सपाट वती नमस्कार है

फतस्यहा — चार — १ — पोमन ऊ रम प्र प्राहाल वने मी सपाहरन —

ॐ प्रादेस गुरु आग्राह्य दसवे से हस्या कगु प्र प्र गुरु फतस्यहा — चार — १

सरा कमाहा वन गुरु कापे गुरु — ॐ चेहा स्य स्य स्य स्य स्य ही ही ही

कीरी वस्य हुहु हि हि हि फतस्यहा — चार — १ — पोमन टी वाप्रमन —

ॐ नमो श्री मकनो उग्री मतर प्रभावती देवी पार वती सीधी वाहिनी हुहरी

अगत माया ॐ हु फतस्यहा — चार — ५५ पोमन जो नाव आषेत जो हस्यान

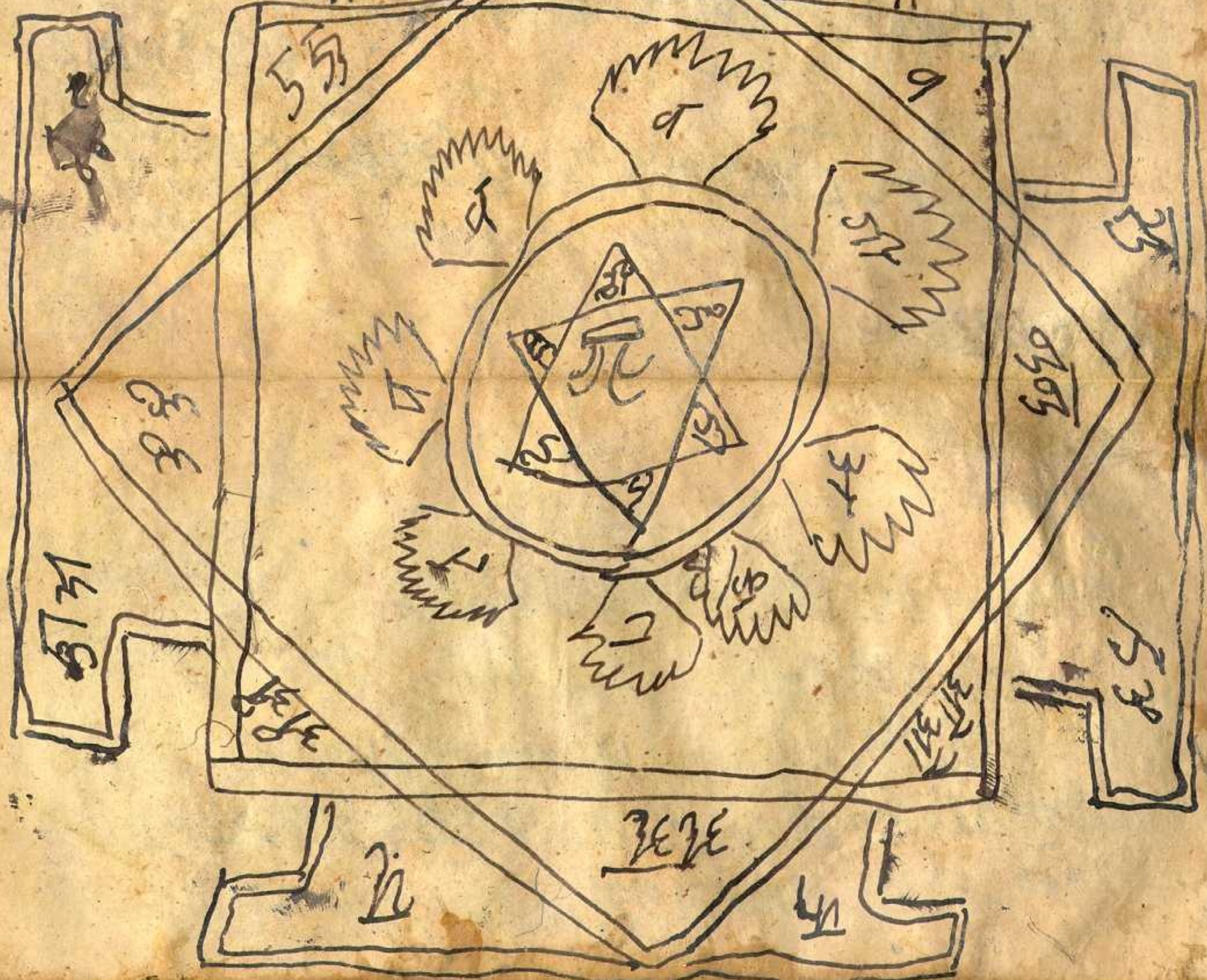
प्रपा कय के जो कसी प स प स पापे कगु —

ॐ अचल सेत सुचात मुतपी प्रपाष ह्या प्रनी चानो ग्री गधल मयानी पा

तान वाषी चानी रुह चानी चषी नी हुही उत्तरी नातही जव मंही सीधी

गुरु आग्राहि फतस्यहा — चार — ५१ — पोमन न खोहा वाहु प्रकगु

हनुमान जन्म
 भौकुलो





धनुरपाहलसअल
 लपारसनचोपसनु
 लपानामचोपमालस
 तुलमालमालचापेके
 अलसचा —



पशवहीनापछाना
 सनुलपानभचोपअल
 समुसानसंउपअल
 उपोचधुनकापुसीस
 चुपेकेअल —



पसधलुलपारसनाप
 दानावचोपेअलकतभ
 सउपधकावहवालसी
 पदेवप्रगनेसअनीपा
 नाववचअलसुभ —

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

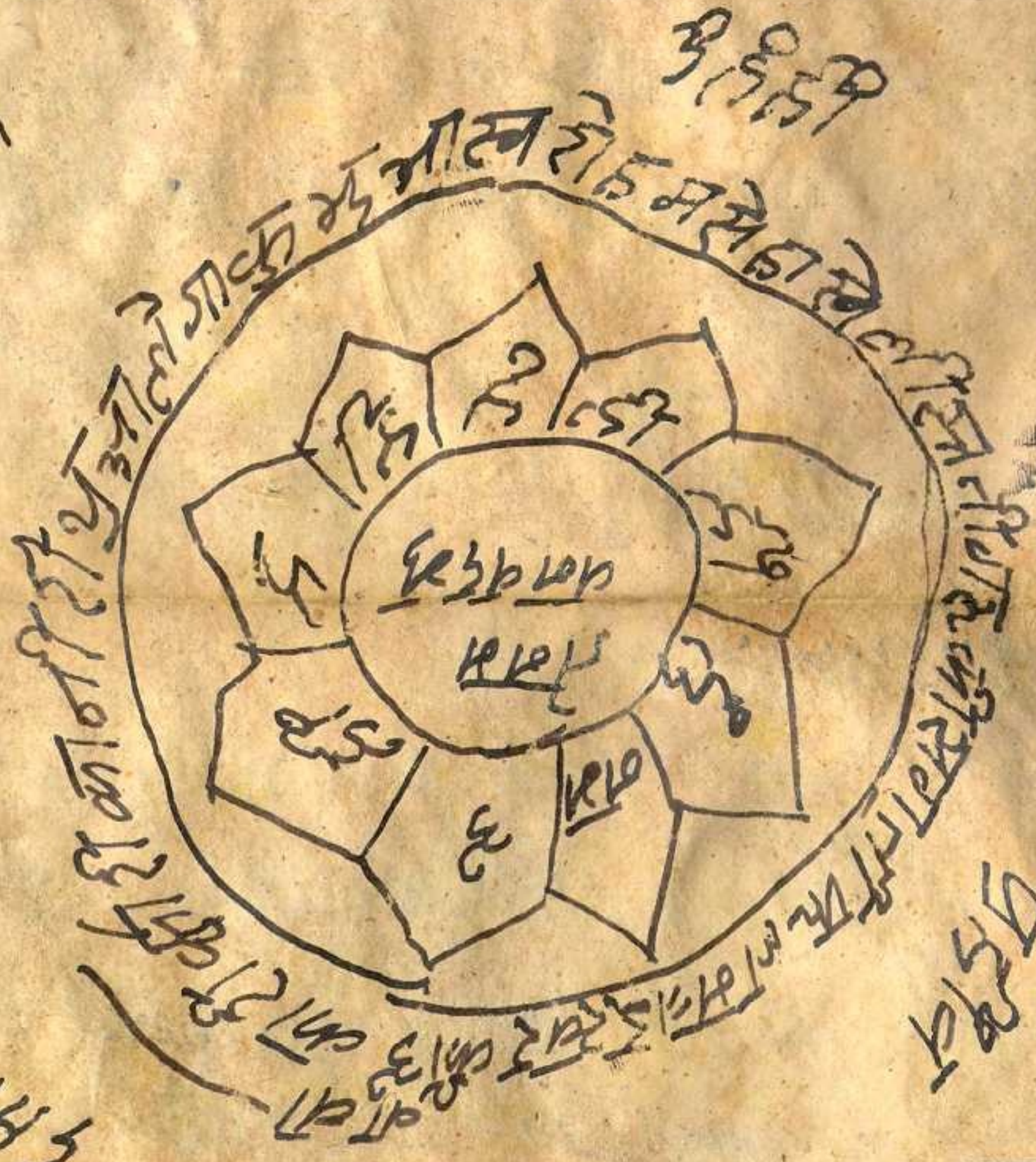
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



३ नमो श्री गुरु आगम प्रती गदा प्रभाही ही स्मृता — १ भोमत्र न मेव न दुसवी
 ता रुष को से वी नान्न जप प्राप्ते जल — ३ नमो श्री गुरु आगम ३ नर सी घ
 दो रा मन्त्र असि को ही ही स्मृता ही प्रत स्मृता — ५१२-५ — सग भी द्यु
 ये मुन जल श्री श्री च दी नीर वारा ही माहा देव श्री नारायण ही सारा त
 प्रह माहा मन ह फल स्मृता — ५१२-३ — भोमत्र न नर प्रपु जल
 उगु धने माल — ३ श्री ३ नम श्री कामा देवी वस आगम ३ ही प्र ह सुनु ही

सफ़ी गुरु पुसा देव रहै - चार - ८ - धाम न नख न गुती प्रा ह्या लाजती
 शा तल स नो गु फल क पाव म न प्रा डा व न प्र ले ना गु ती स न पु क पात
 ला प्रा प्र सा ध नु केल काले स हा प्र सी वा चा ३० कु मी ३ स्थान चो अडा स्व स
 भ मे भु प्र त न म ही त - ३ वी चै स्था हा - ५१२ - २५ - स्थान म न प्रा डा व मी
 सा दु त के व से प्रा पा गु ल -

